Need to review the fee structure of Indian Institutes of Management and provide fee concession to students belonging to economically weaker sections.-laid

प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़ (मुम्बई उत्तर-मध्य) : मैं IIM जैसे बड़े और प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में हो रही फीस की भारी बढ़ोतरी की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूँ । साल 2007 में IIM अहमदाबाद की MBA की फीस ₹4 लाख थी, जो आज बढ़कर ₹27 लाख हो चुकी है । यानी फीस में 575% की बढ़ोतरी हुई है, जबकि इस दौरान महंगाई केवल 146% बढ़ी है । यह अत्यंत अन्यायपूर्ण और अमानवीय है । 2017 में बने IIM कानून ने इन संस्थानों को फीस निर्धारण की पूर्ण स्वायत्तता दे दी । इसके चलते अब IIM संस्थान मनमाने ढंग से फीस बढ़ा रहे हैं । वर्तमान में हॉस्टल, मेस और अन्य खर्चों को जोड़ने पर MBA की कुल लागत ₹30 लाख से अधिक हो जाती है । इस फीस का सीधा असर गरीब और वंचित छात्रों पर पड़ रहा है, जिनके लिए अब IIM जैसी संस्थाओं में प्रवेश पाना लगभग असंभव होता जा रहा है । सरकार से आग्रह है कि इस विषय पर गंभीरता से विचार कर IIM की फीस संरचना की समीक्षा की जाए और गरीब छात्रों के लिए रियायती व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ।